गीतांजलि

गीतांजलि

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

GITANJALI (गीतांजलि)
Anthology of Maithili Geet by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-88811-44-6
दाम: 150/- (भा.रु.)

चारिम संस्करण: 2023 (पहिल संस्करण: 2013, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली)

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

अनुक्रम

हाल-बेहाल

हाल-बेहाल देखि रंग राही
कुशल फूल सजबैत रहै छै।
चढ़िते रंग नील नीलिया
मधुरस रस पान करैत रहै छै।
हाल-बेहाल देखि रंग राही
कुशल फूल...।

डगडगाएल हाल पाबि उसरक
फूल उस्सर सिरजैत रहै छै।
घूरि ताकि नै भरमए भौरा
दिवा रसराज कहबैत रहै छै।
हाल-बेहाल देखि रंग राही
कुशल फूल...।

आसनसँ सिंघासन बनि-बनि
चटाइ नाओं धड़बैत रहै छै
पूजा आसन बनि सदएसँ
लोक सुर सजबैत रहै छै।
हाल-बेहाल देखि रंग राही
कुशल फूल...।

उठिते अंजलि चढ़िते मंजलि
मंगल गीत गबैत रहै छै।
गीता-गीत सदएसँ होइतो
हाल-बेहाल पबैत रहै छै।
हाल-बेहाल पबैत रहै छै।
कुशल फूल...।



शीला शील

शीला शील देखि-देखि
हंस कानि कहैत एलैए।
एक शील श्रृंग चढ़ि-चढ़ि
दोसर श्रृंगार बनैत एलैए।
शीला शील देखि-देखि
हंस कानि... ।

चढ़ि श्रृंग गढ़ि धनुखी
अकास सिर बेधैत एलैए।
हंसराज राजहंस रमैक
सिर श्रृंगार सजैत एलैए।
शीला शील देखि-देखि
हंस कानि... ।

शील सुशील सुर बदैल
तीरमिरैछ देखैत एलैए
चिरमिराइत चिड़ै बुझि
सुशील-कुशील बनैत एलैए।

शीला शील देखि-देखि
हंस कानि... ।



रंग सियाही

रंग सियाही रोशनाइ बनि
रेहे-रेह सियाह घोड़ाएल छै।
भाव-अभाव कुभाव बनि-बनि
गीत प्रेम लिखाएल रहै छै।
रंग सियाही रोशनाइ बनि
रेहे-रेह... ।

गहराएल गहन पून चान सन
इजोत-अन्हार बनहाएल रहै छै।
तहिना ने दीनो-दीनानाथ
भक-इजोत पेब भखियाइ छै।
भक-इजोत पेब भखियाइ छै।
रंग सियाही रोशनाइ बनि-बनि
रेहे-रेह... ।

कहि रोशन टघरि सियाह
लेख कर्म लिखबैत रहै छै।
तिले-तिल तिलैक जअ जहिना

हवन कुंड जड़जड़बैत रहै छै।
हवन कुंड जड़जड़बैत रहै छै।
रंग सियाही रोशनाइ बनि
रेहे-रेह... ।

भाव-अभाव कुभाव बनि-बनि
गीत प्रेम लिखाइत रहै छै।
रंग सियाही रोशनाइ बनि-बनि
रेहे-रेह... ।


दिन घटतै

दिन घटतै कि राति यौ भैया
मौसम मुस्की दइ छै
साले दिनक समैये केते
रंग लीलाक बदलै छै
दिन घटतै कि राति यौ भैया
मौसम मुस्की दइ छै
मौसम... ।

अपन-अपन सनेस बाँटि सभ
सुरभित वायु परसै छै
खसल-पड़लमे जान फुकि
थाम्हि-थाम्हि उठबै छै
दिन घटतै आकि राति यौ भैया
मौसम मुस्की दइ छै
मौसम... ।

समय ने केकरो संग पुड़ैए
ने केकरो संग दइ छै

अपन-अपन सभ समेट-समेट
सिरे-सिर उठबै छै
दिन घटतै कि राति यौ भैया
मौसम मुस्की दइ छै
मौसम... ।



उठिते आगि

उठिते आगि तनैक मन
मुक्का छाती मारि कहै छै
ताल-ताल मिला बेताल
संग बाँहि आवाज भरै छै।
उठिते आगि तनैक मन
मुक्का छाती मारि कहै छै
मुक्का...।

चढ़िते कातिक गाछी-बिरछी
गाम-गाम अरवाड़ खुनाइ छै।
जाड़-हाड़ संग मिलि दुनू
जड़ियाएल जाल तोड़ैत रहै छै।
उठिते आगि तनैक मन
मुक्का छाती मारि कहै छै
मुक्का...।

सुषुम तेल तरहथ्थी जहिना
बच्चा सिर धड़ैत रहै छै

धरिते तेल पकैड़ केश
अगियाइत आगि पाबैत रहै छै।
उठिते आगि तनैक मन
मुक्का छाती...।

ताल-ताल मिला बेताल
संग बाँहि आवाज भरै छै।
संग-संग संगी बनि-बनि
जिनगीक संगी बनि कहै छै।
जिनगीक संगी...।



छप्पर किए

छप्पर किए कुचड़ै छह हे कौआ
छानिपर किए बैसल छह।
लग-आबि समाद सुनाबह
नहिराक सोखैर गाबि सुनाबह
भैया-भौजीक हाल-चाल संग
गाम-समाजक हाल सुनाबह।
छानि किए कुचड़ै छह हे कौआ
छानिपर...।

दादीक-दरदक हाल सुनाबह
बाबूक बात बिसरिहह नै
रेखिया-सुगिया पढ़ै छै कि नै
माइयक मन बिसरिहक नै
गाम-समाज सेहो मन रखिहह
समाजे गाम कहबै छै
छानि किए कुचड़ै छह हे कौआ
छान किए...। ❑

गामसँ किए

गामसँ किए डरै छी
भाय यौ, गामसँ किए डरै छी।
सदिकाल गामक चर्च करै छी
राति-दिन सोहरो गबै छी
तखन किए गाम छोड़ि भगै छी
गामसँ किए डरै छी
भाय यौ...।

बाप-पुरखाक पुरुषार्थ गाबि-गाबि
छाती-तानि हामी भरै छी
नानी-दादीक खिस्सा-पिहानी
सुना-सुना मोहैत रहै छी
तखन किए गाम बिसरै छी
गामसँ किए डरै छी
भाय यौ...।

जइ मातृभूमि ममतासँ
हृदय गंग बहबै छी
गामे-गाम पसरल छै मिथिला
गामेसँ किए तुड़छै-मुड़छै छी।

माटि-पानिसँ बनल गाम
तखन किए छोड़ि भगै छी
गामसँ किए डरै छी
भाय यौ...।

गाम-धाम काम मन मन्दिर
धाम तीर्थ कहबैत एलैए।
तीर्थाटनसँ घुमि-घुमि
स्थलतीर्थ गाम बनैत एलैए।
तखन किए नुकाइ छी?
मीत यौ, गामसँ किए डरै छी।
❑

बेढब रूप

बेढब रूप गढ़ि-मढ़ि जिनगी
बेढब गीत गबैत एलैए।
बेढब कुचालि सुचालि पकैड़
बेढब पाठ पढ़ैत एलैए।
बेढब रूप पाठ बेढ़ब
बेढब गीत गबैत एलैए।

जीत जिनगी ठाढ़ छै जंगल
मंगल आस भरैत एलैए।
कहि कुमंगल सुमंगल बनि-बनि
दंभ मंगल भरैत एलैए
दंभ भरि दंभिया-दंभिया
बेढ़ब गीत गबैत एलैए
बेढ़ब गीत...।

जहिना कार्बन कागज चढ़ि
कार्बन कॉपी कहबैत एलैए।
तहिना कार्बन चढ़ि जिनगी

अन्हार आन्हर कहबैत एलैए।
अन्हराएल पथ चढ़ि पथिक।
पक्ष आन्हर कहबैत एलैए।
बेढ़ब गीत गबैत एलैए।
बेढ़ब गीत...।

दोहरी पक्ष जिनगी चलै छै
अन्हार-इजोत कहबै छै।
दुखसागर बीच सुखसागर
अमवसिया पूर्णिमा कहबै छै।
एक्के मासक दुनू पक्ष छी
बुझैक फेर चलैत एलैए
बेढ़ब गीत गबैत एलैए
बेढ़ब गीत...।



संग जिनगी

संग जिनगी मन पान करै छै
समय संग रसपान करै छै।
जिनगी संग मन पान करै छै
समय संग... ।

ठेँस-ठेँसिया टूटि-फुटि जिनगी
हँसी-खुशी मुखपान करै छै
गुण-अवगुण भेद बिनु बुझने
समय संग रसपान करै छै।
जिनगी संग मन पान करै छै।
संग जिनगी... ।

झाड़-कुझाड़ केतौ नचै छै
केतौ ताड़ गाछ मलड़ै छै।
ठिठैक-ठिठैक ठमैक जिनगी
मति-मति सिर्जमान करै छै।
संग जिनगी... ।

अपन जिनगी अपने सन गढ़ि
सुख-दुख मुसकान भरै छै।

मोड़ि-मुँह उलैट-पलैट देखि
सुसकारी भरि-भरि चलै छै
संग जिनगी... ।

मान-अपमान भेद भुलि
संग मिलि सुरधाम चलै छै।
घाट-बाट अटैक-मटैक
हारि जीत गुणगान करै छै।
हारि जीत गुणगान करै छै।
संग जिनगी... ।



सबहक जिनगी

सबहक जिनगी गीत गबै छै
गीतक संग सुख-दुख कहै छै।
केकरो सुखाएल सुख
तँ केकरो दुखाएल-सुखाएल कहै छै।
सबहक जिनगी... ।

सुर-तान, राग अलैप-अलैप
जिनगीक मुसकान भरै छै
पलैट जिनगी मन मोहि-मोहि
मोहन मन मुसकान भरै छै।
सबहक जिनगी... ।

घड़ी-पहर रूप, बदैल भास
समय-संग संगीत रचै छै
गीत-संगीत सुकृति करैत
जिनगी मानव पान करै छै
सबहक जिनगी... ।

हँसि-बिहुसि सुर-तान तानि
विषम-सम बनबैत चलै छै

सम-विषम, विषम-सम
विश्व-सम कहबए लगै छै
सबहक जिनगी... ।

अपन-अपन हक-हिस्सा जहिना
तहिना ने हिस्सोदार कहै छै
चनैक चान फनैक सुर्ज
बीच बसुधा वाण धड़ै छै ।
सबहक जिनगी... ।

चलि संग संगतिया रचि-रचि
काज-करतब सिखबैत चलै छै ।
कर्मभूमिये ने जन्मभूमिक
जीवन दर्शन दान करै छै ।
सबहक जिनगी... ।



सुन मैया गे

सुन मैया गे, सुनू बाबू यौ
सुधि सन्तान सहरल केना
सुधि सन्तान सहरलै किए?
कि दोख देखि दृग दूषित भेल
रहितो गुरु कहलौं ने किए?
सुधि सन्तान सहरलै किए?
सुन मैया गे, सुनू बाबू यौ
सुधि सन्तान... ।

अधिया मानि जेकरा कहलिऐ
आधा मानि देलिऐ ने किए?
आधा-आधी मान जेकर छै
सुधि परिवार बिसरलौं किए
सुधि सन्तान सहरलै किए?
सुन मैया गे, सुनू बाबू यौ
सुधि सन्तान... ।

दुनू मिलि घर-दुआर सजेलौं
भाए-बहिन नाम धरेलौं

तैबीच सुफाँट-उफाँट केना
दोहरी रीति बनेलौं किए?
सुनू बाबू यौ, सुनू मैया गे
सुधि परिवार बिसरलौं किए?
सुधि सन्तान सहरलै किए?
सुन मैया गे, सुनू बाबू यौ
सुधि सन्तान...।



पकैड़ तान

पकैड़ तान सभक जिनगी
घड़ी परीक्षा दैत चलै छै।
तीत-मीठ गढ़ि-गढ़ि, मढ़ि-मढ़ि
दिन-राति कहैत चलै छै
घड़ी परीक्षा दैत चलै छै।
पकैड़...।

बदैल मीठ बिगैड़-बिगैड़
क्रोधे करुआए लगै छै।
कुदैत क्रोध तुरुचि तुष्टि
तीत-मीठ बनबए लगै छै
घड़ी परीक्षा दैत चलै छै।
पकैड़...।
छनि-छनि, छन-छन पल-पल
राति-दिन गढ़ए लगै छै।
साँझ-भोर घड़ी-घंट बजा
कुथनी-कहनी कहए लगै छै
घड़ी परीक्षा दैत चलै छै।

पकैड़...।

शंख-नाद सुर मिला-मिला
नादशंख दिअ लगै छै।
कौरब-पाण्डव मध्य कृष्ण
महाभारत रचए लगै छै।
घड़ी परीक्षा दैत चलै छै।
पकैड़...।


भोरे कनी जगा देब

भोरे कनी जगा देब
भाय यौ, भोरे कनी जगा देब।
जुग-जुगसँ मोट-गाढ़ नीन
सिरमा तरक सभ किछु लेलक।
रंग-रंगक भरोस दइयो कऽ
बदलामे किछु ने देलक।
आबो कनी जगा देब
भाय यौ, आबो कनी जगा देब।
भोरे...।

इन्दिरा अवासमे नाओं लिखेतै
सिमटी-ईटा केर घरो बनतै।
चैत बिहाड़ि भादवक बरखा
हथिया झटकी किछु ने करतै
भोरहरबे कनी जगा देब
भाय यौ, भोरहरबे कनी जगा देब।
भोरे...।

सात कोस पएरे जए पड़तै
ब्लौकेमे शिविरो लगतै

शिविरेमे गनि-चुनि
नाओं ओतै सेहो लिखेतै
भाय यौ, भोरे कनी जगा देब।
भोरे...।



पकैड़ पग

पकैड़ पग पएरे-पएरे
पग-पग पथ पकड़ैत चलू।
पकैड़ प्रेम पहुँची पकैड़
संग जिनगीक चलैत चलू।
संग जिनगीक चलैत चलू।
पकैड़ पग पएरे-पएरे
पकैड़... ।

मोटरी-चोटरीक आशा केते
हल्लुक जान बनबैत चलू
आगूक ऐगला पथ देखि
स्मरण गुरुक करैत चलू।
गुरु स्मरण करैत चलू।
पकैड़ पग पएरे-पएरे
पकैड़... ।

जागल-सुतल धार बहै छै
जीवित-मृत्यु नाओं धड़ै छै

पथ-बना बीचो-बीच धरती
जिनगीक गीत गबैत चलू।
जिनगीक गीत गबैत चलू।
पकैड़ पग पएरे-पएरे
पकैड़...।



संच-मंच रहए कहाँ दइए

संच-मंच रहए कहाँ दइए
यार यौ, संचमंच रहए कहाँ दइए
मकड़ी फड़ खुआ-खुआ
टीक पकैड़ खिंचैत रहैए
टीक पकैड़ टिकाशन चढ़ि-चढ़ि
टिकिया-टीक कहैत रहैए
संच-मंच रहए कहाँ दइए
संच-मंच...।

चिड़चिड़ी छीट-छीट करवनो
ओझरी टीक लगबैत रहैए।
पोझरी पकैड़-पकैड़ ओझरी
खेल नाच लगबैत रहैए।
यार यौ, संच-मंच रहए कहाँ दइए।
भजार यौ...।

कहियो रंग कहियो कादो
सभपर सभ फेकैत रहैए।

रंग-सियाही बदैल-बदैल
आँखि इजोत बदलैत रहैए।
यार यौ, संच-मंच रहए कहाँ दइए।
भजार यौ...।



ओस बनि

ओस बनि आंसू पकैड़
धार खून बहबैत एलैए।
प्रेम सिक्त प्रेमाश्रु पकैड़
देह बेमाए कहबैत एलैए।
देह बेमाए कहबैत एलैए।
ओस बनि...।

हाथक हस्ति पकैड़ फाड़ि
रूप बेमाए धड़ैत एलैए।
बाँहि पकैड़-पकैड़ हाथ
पएर पकैड़ कहैत एलैए।
पएर पकैड़ कहैत एलैए।
ओस बनि...।

आंगुर पकैड़ पकैड़ छीनि
पएर सिर चढ़बैत एलैए।
हस्ति हाथ मेटा-मेटा
नाम पएर जपैत एलैए।

नाम पएर जपैत एलैए।

ओस बनि...।



बाढ़िमे सभ

बाढ़िमे सभ किछु दहा गेल
मीत यौ, बाढ़िमे सभ किछु दहा गेल।

मुँह-दुआरि परदा दहा गेल
दहा गेल सभ कुटुम-परिवार
हित-अपेछित सेहो भँसिया गेल
भँसि गेल सभ आचार-विचार।
भँसि गेल सभ आचार-विचार।
बाढ़िमे...।

मीत यौ, जिनगीक संग जिनगी दहा गेल।
गुल्ली-डन्टा खेल दहा गेल
अप्पन-बीरान सभ बिसैर
चिन्ह पहचिन्ह सेहो दहा गेल
मीत यौ, बाढ़िमे सभकिछु दहा गेल।
करवनी घुमतै दुआर-दुआरधार।
करवनी घुमतै दुआर-दुआरधार।
बाढ़िमे...।

कानि कलैप केकरा के कहतै
अपने बेथे सभ बेथा गेल।
के सुनत केकर नचारी
अपने मने सभ वौड़ा गेल।
अपने मनेमे सभ... ।



हेराएल-ढेराएल

हेराएल-ढेराएल ढेर चढ़ि
भोर-साँझ भुककैत रहै छी।
भुक-भुक भुकभुकी जकाँ
अप्पन भार पुरबैत रहै छी।
भोर-साँझ... ।

जइ सिरडीह नढ़िया भुकैए
राति-दिन गबियाइत रहै छी।
बिनु सिर-पएरक डोका-काँकोर जकाँ
तइयो मनुखे कहबैत रहै छी
भोर-साँझ... ।

तान मारि कियो, कियो मारि ताइन
छिनैक-छिनैक छिड़ियाइत चलै छी।
तरजू चढ़िते काँकोर जहिना
मन-मारि छिड़ियाइत रहै छी
भोर-साँझ... ।

जोतल दौन कराम बीच
खेरहा-कुरथा दौन करै छी।

हार हारि बुझि कहाँ
जीत-जीतक आशा धड़ै छी
भोर-साँझ...।

रस रसिया रस रचि-रचि
रसे-रस रसिआइत रहै छी
चीनी-बोर जिलेबी जहिना
बिनु ओर-छोरे डुमि मरै छी
बिनु ओर-छोरे डुमि मरै छी
भोर-साँझ...।



मीत यौ, अहींकेँ कहै छी

मीत यौ, अहींकेँ कहै छी
गहबर बीच गुहारि करै छी।
दिशा चारू फेकि फूल
शंख अकास फूकैत रहै छी
देव-दानव-मानव कहि-कहि
अकास शंख फूकैत रहै छी
मीत यौ, गहबर बीच गुहारि करै छी।

कथ-कुथि सरसिज सिरैज
व्यास बनि भगवत रचै छी
भारत-महाभारत भेद बिनु बुझने
गीत गीता संग कहै छी
गहबर बीच गुहारि करै छी।

फूल एक अकास फेकि
दोसर गंगा लाभ करै छी
सरग (स्वर्ग) नरक सिरमौड़ बनि-बनि
सोखर दुनियाँ कहै छी

गहबर बीच गुहारिको छी

गहबर बीच... ।



अजीब-अजीब

अजीब-अजीब खेल चलै छै
खाली-खाली मन भरै छै।
अजीब...।

राति-दिन कियो, कियो दिन-राति
एकबट-दुबट करैत रहै छै
अजीब-अजीब खेल चलै छै।
खाली-खाली मन भरै छै।

रातिक दिन कियो दिनक राति
बिहुसि-बिहुसि बढ़ैत रहै छै।
अजीब-अजीब खेल चलै छै।
खाली-खाली मन भरै छै।

काहू मगन कोइ, कोइ काहू मगन
रमि-रमि रमता बनैत रहै छै।
अजीब-अजीब खेल चलै छै
खाली-खाली मन भरै छै।



अपने ताले

अपने ताले नाच करै छै
गाले अपने गीत गबै छै।
अपने ताले...।
 अपने हाल बेहाल भेल छै
अपने चालि चिचिआ कहै छै
अपने ताले नाच करै छै
गाले अपने गीत गबै छै।

चलैत जिनगीक चक-चिकमे
मुनि आँखि भकुआइत चलै छै।
छिछैल-छिछैल बटिया-घटिया
दिनोदिन हराइत चलै छै।
अपने ताले नाच करै छै
गाल अपने गीत गबै छै।

हाल-गाल विकराल बनल छै
मुँहगर-कन्हगर बीच पड़ल छै
के केकरा देखतै-सुनतै
हारल-मारल हेराएल चलै छै।
अपने ताले...। ❑

पग-पग

पग-पग पगैत पएर
सत रंग गीत गबैत चलैए।
कखनो आगू कखनो पाछू
उनैट-पुनैट देखैत चलैए
सतरंगी गीत गबैत चलैए।
पग-पग... ।

वाम-दहिन भेद बिनु बुझने
ससैर-ससैर ससरैत रहैए
जिनगीक शुक्ल-कृष्ण बीच
चीत-पट होइत चलैत रहैए
सतरंग गीत गबैत चलैए।
पग-पग... ।

कखनो विरह कखनो वसंत
भाव-विभोर गबैत चलैए।
वसंतक राग-तान, तानि
वेदना विरह बिलहैत रहैए
सतरंग गीत गबैत चलैए।
पग-पग... ।

क्षण-पल जहिना दिन कहाबै
रातियो-राति रीतियाएल चलैए
करवनो दौड़, करवनो ठमैक
आशा-आश घिसियाइत चलैए
सतरंग गीत गबैत चलैए।
पग-पग...।


मीत यौ

मीत यौ, बाढ़िमे सभ किछु दहा गेल।
सभ किछु दहा गेल, सभ किछु दहा गेल।
मन दहि भँसि-भँसिया
लीढ़, केचली कादो समा गेल
मीत यौ, बाढ़िमे सभ किछु दहा गेल।
सभ किछु दहा गेल, सभ किछु दहा गेल।
सभ किछु... ।

बाल दहा जुआनी जुड़ि-जुड़ि
चित्त चेतन सेहो हरा गेल
मित यौ, बाढ़िमे सभ किछु दहा गेल।
सभ किछु दहा गेल, सभ किछु दहा गेल।
सभ किछु... ।

एक बाढ़ि धरती पसैर
दोसर अकास चढ़ै छै।
सिर, पएर ठेकान बिनु केने
अपनेमे दुनू लड़ै छै।

अचता मन पचि-पचि

अपनेमे अपने समा गेल।

मीत यौ, भजार यौ

बाढ़िमे सभ किछु हरा गेल।

सभ किछु दहा गेल, सभ किछु दहा गेल।

सभ किछु...।



निरमोही बौआ

निरमोही बौआ, एना किए रूसल छी।
बाबा-बाबी, बाप-माए कोर
संग-संग संगे खेलैत एलौं
दुनूक बनाओल डोरसँ
जुग-जुगसँ बन्हैत एलौं।
तखन किए, छिटकै छी
एना किए रूसल छी
निरमोही बौआ...।

बानि छोड़ि कुबानि पकैड़
चीज-बौस बनबै छी।
भरैम भरम भरि-भरि
भरमैत किए रहै छी।
निरमोही बौआ...।

भूल-चूक अपनो होइत अबैए
सोच-अपसोच संग चलैए।
साले-सालक गिरह नापि-जोखि

अप्पन मन अपने कहैए
तखन किए छिटकै छी
निरमोही बौआ, एना किए रूसल छी।


अपना गतिये

अपना गतिए सबहक जिनगी
पग परीक्षा दैत चलै छै।
तीत-मीठ सुआद सिरैज
राति-दिन कहैत चलै छै।
पग-पग परीक्षा दैत चलै छै।
अपना गतिए... ।

करवनो मीठपन महैक-महैक
बिगैड़ तीत बनए लगै छै।
तहिना तीतो तड़ि-तड़ैप
मीठगर सुआद दिअ लगै छै।
पग-परीक्षा दैत चलै छै।
अपना गतिए... ।

पल-पल, छन-छन छनि-छनि
राति-दिन बनबए लगै छै।
शंख संग नाद भरि-भरि
शंखनाद दिअ लगै छै।

पल-पल नाद भरए लगै छै।
पग-परीक्षा दैत चलै छै।
अपना गतिए...।

कौरव-पाण्डव बीच जहिना
शंखनाद कृष्ण करै छै।
काया-माया बीच संसार
जोगी जोग मिलबैत कहै छै।
पग परीक्षा दैत चलै छै।
अपना गतिए...।


भजार यौ

भजार यौ, गृहनीक गारि सुनै छी
भजार यौ, गृहनीक गप सुनै छी।
गाम-गाम आ गिरह-गिरहमे
गसल गीरह देखैत रहै छी
भजार यौ, अहींटा कैँ कहै छी
भजार यौ, गृहनीक कथा कहै छी।
मीत यौ, अहींटा कैँ... ।

गीरहक बीच गूही गुहाएल छै
गूह बीच जुट्टी समाएल छै
जुट्टी जूट जुटि-जुटि
संग मिलि दुनू कहै छी
भजार यौ, अहींटा कैँ... ।

गृहपैत सभ बनए चाहै छी
नइ पेब घुड़मौड़ करै छी
घुड़मौड़े घुरिया-घुरिया
घुर-घुड़ची लटकै छी।

भजार यौ, घुर-घुड़ची लटकै छी।
घुर-मोड़सँ घुरिया घुरि
घुरि-घुरि सभ कहै छी।
भजार यौ, अहींटा कें...।

गृहनीक गारि-फज्झैत सुनि-सुनि
धाखे-लाजे नइ बजै छी
लोक सुनत तँ की सभ कहत
लोके-लाजे मरल-गरल छी।
भजार यौ, अहींटा कें...।


हे बहिनी

हे बहिना, हे बहिनी
जीवन संग जिनगी बदलै छै।
किछु अपनो बदैल किछु, किछु बदलैयो पड़ै छै
किछु अपने सुधरि, किछु सुधरैओ पड़ै छै।
जीवन संग जिनगी बदलै छै।
हे बहिना...।

संगे-संग मिलि खेललौं-धुपलौं
संग-संग रहि संगी बनलौं।
आंगुर पकैड़ बहिन-बहिना बनि
फूल-प्रीत बनि सासुर बसलौं
हलैस-हलैस मन हँसै छै
जीवन संग जिनगी बदलै छै
हे बहिना...।

एक बहिन ओद्रक कहबै छै
दोसर सहस्रो समाज गढ़ै छै।
बहिनासँ दीदी, दीदीसँ दादी

हँसि हँसि मन कहै छै।

हे बहिना, हे दीदी

जीवन संग जिनगी चलै छै।

चलि-चलि रंग सेहो बदलै छै।

जीवन संग जिनगी बदलै छै।

हे बहिना...।



हे बहिना, हे दीदी

हे बहिना, हे दीदी, हे दादी
सुरत केना बदलबै।
हे बहिना... ।

प्रीतिक रीति कुरीत बनल छै
रीति-सुरीति केना बना पेबै।
थाल-खिचार घर-द्वार बनि
वृक्ष कल्प केना रोपि पेबै।
हे बहिना हे संगी, हे प्रेमी
सुरत केना बदलबै
हे बहिना... ।

जेहने जहर तेहने फुफकैड़
नाग, गहुमन डॅसैत रहै छै।
करम-भाग मनतर जपि-जपि
अगुआ-पछुआ धरैत रहै छै।
हे प्रीतिया हे रीतिया
नीक फल कहिया देखेबै

हे नीक फल कहिया देखेबै।

हे बहिना...।



सुक्खक अतृप्त

सुक्खक अतृप्त धारमे
भँसिया गेलै जीवन।
भँसि-भँसि भँसिया भँसिया
कानि-कलैप कहैए मन।
सुक्खक... ।

कि सोइच सोचै छेलौं
पएब मन मधु आनन
बिना आनने पेत केना
आनन धन ब्रह्मानन
सुक्खक... ।

धारक अंतिम धड़ धरिया
धड़ि धैड़ चलतै जीवन।
बून पानि धार सगर
पाबि केना पेतै जन?
पाबि केना पेतै जन?
सुक्खक... ।



नढ़ड़ा हेल हेलै छी

नढ़ड़ा हेल हेलै छी, भाय यौ
नढ़ड़ा हेल हेलै छी।
ठकि-ठकि, फुसिया-पनिया
जिनगी संग खेलै छी, भाय यौ
जिनगी संग खेलै छी।
नढ़ड़ा हेल...।

जुग छल जमाना छल
कलैप कूश ने लागै छेलै
सोझ-साझ फुलैक-फलैक
चालि खिखिर धेने छेलौं।
चालि खिखिर धेने छेलौं।
नढ़ड़ा हेल...।

सुख स्मृति मन पाड़ि-पाड़ि
नढ़ड़ा खेल खेलै छेलौं।
जहिना नढ़ड़ा गाछ-बिरीछ
तहिना मन पबै छेलौं।
तहिना मन पबै छेलौं।
नढ़ड़ा हेल...।

नढ़ड़ा जहिना गाछ उगै छै
भकराड़ चालि पकैड़ चलै छै।
फड़-फूल बिनु रूप गढ़ि-गढ़ि
नढ़ड़ा फल देखबैत रहै छै।
नढ़ड़ा फल देखबैत रहै छै
नढ़ड़ा खेल देखैत रहै छी।
नढ़ड़ा हेल...।



अहीं कहू

अहीं कहू भाय आब की करबै?
पएर पसारब तखने
मन समेटब जखने
शिव दर्शन कैलाशक ऊपर
भट्ठा नहि सीरापर।
तहन जे धारक लहैरमे हेलबै
अहीं कहू...?

दहिना हाथक गति बाम अछि
आगू चलि कऽ देखबै
मुदा, पाछूओ भेने बाट नै छोड़त
की प्रकृति प्रदूषण करबै?
की प्रकृति प्रदूषण करबै?
अहीं कहू...?

नमहर-नमहर पर्चा-पोस्टर
बाँटि-बाँटि भरमेबै
बिर्ड़ो, दानो, ठनकाक ठनककेँ

जेरक-जेर केना कऽ टपबै?
जेरक-जेर केना कऽ टपबै?
अहीं कहू...?

नमगर-चौरगर बात बतिया
ठकि-ठकि फुसिएबै।
सुखले आँखिक नोर निड़ा
राति दिन घटिएबै।
राति-दिन घटिएबै।
अहीं कहू...?


चलू उचितपुर देश

चलू उचितपुर देश
यौ-भैया चलू उचितपुर देश।

नै अछि भेदभाव ओतए किछु
नै अछि चोर-बैमान।
नै अछि ऊँच-नीच किरदानी
सबहक एक्के भेष।
सबहक एक्के भेष।
चलू उचितपुर...।

सबहक चालि-ढालि एक्के
अछि सबहक मान-समान
मन-मनुख बनि-बनि सभ
भरैए सूर-तान, यौ भैया
भरैए सूर-तान
जेहेन देस तेहेन भेष
चलू उचितपुर...।

आगि-पानिक भेद कोनो नै
सबहक एक्के उदेस।

पढ़ै-लिखैक एक्के रस्ता अछि
सबहक एक्के सनेस।
चलू उचितपुर...।

जिनगीक तँ एक्के विचार अछि
नै अछि देस-विदेस।
माए-बहिन सबहक एक्के होइए
बाल-बच्चा सभ एक।
चलू उचितपुर...।

एक्के खाहिंस सभकेँ होइ छै
ने कम ने बिसेस।
एक्के रंग जीवन चलैए
सबहक एक्के उदेस।
यौ-भैया चलू उचितपुर देस।
चलू उचितपुर...।



कानि कलैप

कानि कलैप केते कहब
गामेमे हराएल छी
रंग-बिरंग अन्न-पानि
नीकसँ छिड़ियाएल छी।
नीकसँ छिड़ियाएल छी।
कानि कलैप केते कहब
कानि-कलैप...।

समटेनौं तँ नै समटाइए
थाकि कऽ ठकुआएल छी
डरे आँखिओ ने उठैए
कातेमे नुकाएल छी।
भाय यौ, कातेमे नुकाएल छै।
भाय यौ...।

जइ आशा ले जीबै छी
तैपर पानि फेराएल छै
तैयो आशाक डोर पकैड़

पाछू-पाछू घिसियाएल छी।
पाछू-पाछू घिसियाएल छी।
कानि कलैप केते कहब
कानि-कलैप... ।



बुधिये बाट

बुधिये बाट बौएलौं हे बहिना
बुधिये बाट बौरेलौं हे।

आड़ि-धूर छेकने छै धरती
बिनु छेकल अकास हे
उड़िते उड़ि ओतए उड़ि गेलौं
कहाँ भेटए रैणवास हे।
कहाँ भेटए रैणवास हे।
बुधिये बाट बौएलौं हे बहिना
बुधिये...।

देस-दुनियाँक रंग-रूप देखि
अपनो रूप निखारितौं हे
अगम-अथाह पड़ल हे बहिना
जिबैक नै विश्वास हे
बुधिये बाट बौएलौं हे बहिना
बुधिये...।

जाबे आस जीवन नै जागत

केना जागत ताबे बिसवास।
बिनु बिसवास बाट केना
मन जागत आशा-बिसवास।
बुधिये बौड़ाएल हे बहिना...
बुधिये बौड़ाएल...।


जुग-जुग

जुग-जुग आस लगौने मइये
शीत-रौद चटैत एलौं।
लुप्त भेल नयन-नीड़
रेगहा टा जपैत एलौं।
हे मइये, रेगहा टा जपैत एलौं।
जुग-जुग...।

गंगाजलिसँ नीर बोझि
सिक्त करब दसो दुआरि।
आँगन-घरक संग-संग
सिक्त करब गौसौनिक चौपाड़ि
हे मइये...।

हँसैत, गबैत, नचैत, भसैत
पहुँचब तोर दुआरि
मुदा, फाँस फँसि मकरजालमे
मेटा गेल सभ चौपाड़ि
हे मइये...।

दसो दिशा घेर-घेराएल अछि
अकास बहैत देखै छी
मुदा ससैर गेल पग पएर भूमा
कानि-कानि गाबि कहै छी।
हे मइये...।



घात लगौने

घात लगौने घात लगल छै
फल करनी अवघात मढ़ल छै।
घात-अवघात भेद बिनु बुझने
घाते अवघातो बनै छै।
घात लगौने घात लगल छै
फल... ।

तिनकमनिया बंशी बनि-बनि
पानि बीच घतिया पड़ल छै।
गन्ध बोर सुगन्ध कहि-कहि
मुँह मध्य अवघात बनल छै।
घात लगौने घात लगल छै।
फल... ।

बिनु अवघाते होइत रहै छै
गलफड़ घात लगैत रहै छै।
ही-जी छिछिया-छिनिया
उनैट-सुनैट सुनगैत रहै छै।

घात लगौने घात लगल छै।

फल... ।



देहमे नमहर

देहमे नमहर टाँग जेकर
आड़ि-धूर वएह कुदि टपै छै।
टपि टपान हाथो कहैत
राही राह पकैड़ चलै छै।
देहमे नमहर टाँग जेकर
आड़ि-धूर...।

टाँग जेकर हाथी सदृश
बालु ऊँट कहाँ बुझै छै
चालि सुचालि पकैड़-पएर
रच्छ अपन करैत रहै छै।
देहमे नमहर टाँग जेकर
आड़ि-धूर...।

मुसुक मन मारि मुस्की
मने-मन मुसकुराइत रहै छै।
हहा-हहा हषविष अबैत
कुदि-फानि कहैत रहै छै।

देहमे नमहर टाँग जेकर
आड़ि-धूर... ।

कर-कर सँ कमल पकैड़
जलधर बीच कहैत रहै छै ।
ने लत्ती ने बिरीछ बनि
गछिया गाछ कहैत रहै छै ।
मीत यौ, गछिया गाछ कहैत रहै छै ।
देहमे नमहर टाँग जेकर
आड़ि-धूर... ।


जगदीश प्रसाद मण्डलजीक रचना संसार

1. भैंटक लावा, 2. बिसाँढ़, 3. पीरारक फड़, 4. अनेरुआ बेटा, 5. दूटा पाइ, 6. बोनिहारिन मरनी, 7. हारि-जीत, 8. ठेलाबला, 9. जीविका, 10. रिक्साबला, 11. चुनवाली, 12. डीहक बटबारा, 13. भैयारी, 14. बहिन, 15. घरदेखिया, 16. पछताबा, 17. डाक्टर हेमन्त, 18. बाबी, 19. कामिनी, 20. मौलाइल गाछक फूल, 21. मिथिलाक बेटी, 22. जिनगीक जीत, 23. उत्थान-पतन, 24. जीवन-संघर्ष, 25. जीवन-मरण, 26. मन-मणि, 27. चल रे जीवन, 28. धोब घाट, 29. सासु-पुतोहु वार्ता, 30. बौड़ाएल बटोही, 31. अपनेपर हँसै छी, 32. धोबि पाट, 33. साँझ, 34. सात्त्विक भाव, 35. दिव्य शक्ति, 36. उड़ियाएल चिड़ै, 37. रणभूमि, 38. सान-धार-धारा, 39. पपीहाक गीत, 40. विषधरक बीख, 41. मिथिला केहेन, 42. मौसमक मुस्की, 43. आशा, 44. आँखि, 45. मधुरस, 46. बीआ, 47. महजाल, 48. बाट, 49. डभियाएल डगर, 50. लज्जैत, 51. गीत, 52. गंग स्नान, 53. फनकी, 54. सभ किछु छै जालेमे, 55. गंगा नहाइ, 56. गोधन पूजा, 57. माटिक फूल, 58. झगड़ा, 59. नजैर, 60. कमलाधार, 61. बाल कविता, 62. विभूत, 63. झूठ-साँच, 64. नव दुनियाँ, 65. पुरुषार्थ, 66. सरस्वती वन्दना, 67. भीड़-भार, 68. सरस्वती हमर, 69. अगहन, 70. केना मेटत गरीबी, 71. संघर्ष, 72. साँझ-भोर, 73. समय, 74. जिनगीक मोड़, 75. अकलबेड़ा, 76. धूप-छाँह, 77. माए, 78. साथी, 79. घरक लोटिया बुड़ले अछि, 80. जुग बदलल जमाना बदलल, 81. फँसरी, 82. गरीबी, 83. दबाइए रोग, 84. मुँहक झालि, 85. किछु सीखू किछु करू, 86. पत्नी, 87. चेतन चाचा, 88. पौरुष, 89. घोड़ मन- 1, 90. घोड़ मन- 2, 91. घोड़ मन-

3, 92. घोड़ मन- 4, 93. अलकक चान, 94. शिशवोनी, 95. फगुआ, 96. शील, 97. प्रिय, 98. अपनेपर, 99. डायरी, 100. गाछक रंग बदैल रहल छै, 101. मुँहक हँसी केहेन, 102. झोंक जुआनी झोंकए, 103. बैसले-बैसल नाचि, 104. गुमकीमे वौआए, 105. भूत बनि भुतियाएल, 106. सुखले मे सभ पिछैड़ रहल छै, 107. दीनक दिन केना, 108. कोढ़ पकैड़, 109. जाल समाज, 110. मीत यौ, देहक पानि, 111. आश प्रेम संग, 112. विषय दस, 113. धर्मक फूल, 114. किछु ने करै छी, 115. अपने पाछू, 116. उठी-बैसी, 117. गर-मुड़, 118. मनक बेथा, 119. रहल नै, 120. पकैड़ समय, 121. सतरंग ऐ, 122. दुनियाँक जेहने, 123. चढ़ि अन्हार, 124. एक विष, 125. पेटक ताप, 126. जेहेन मुँह, 127. धार संग नाह, 128. मन मशीन, 129. खट-मीठ, 130. झोंकमे, 131. पबिते पैग, 132. हेल-मेल जाधैर, 133. कौशल जखैन कोसल बनै छै, 134. उमकीमे उमैक, 135. जिनगीक कुंज, 136. सत-चित, 137. स्रष्टाक समग्र रचना, 138. प्रतिभा, 139. मर्म, 140. अधखरूआ, 141. समैयक बेरबादी, 142. पहिने तप तखनि ढलिहेँ, 143. खलीफा उमरक सिनेह, 144. जखने जागी तखने परात, 145. अस्तित्वक समाप्ति, 146. खजाना, 147. उग्रघारा, 148. बेवहारिक, 149. समर्पण, 150. उत्थान-पतन, 151. देवता, 152. पाप आ पुण्य, 153. परख, 154. आलसी, 155. प्रेम, 156. हैरियट स्टो, 157. बुझैक ढंग, 158. श्रमिकक इज्जत, 159. वंश, 160. तियाग, 161. सद्विचार, 162. साहस, 163. बरदास, 164. भूल, 165. धैर्य, 166. मनुखक मूल्य, 167. मदति नै चाही, 168. मेहनतिक दरद, 169. मैक्सिम गोर्की, 170. मूलधन, 171. कपटी मित, 172. भीख, 173. भगवान, 174. एकाग्रचित, 175. सीखैक जिज्ञासा, 176. अनुभव, 177. आसिरवादक विरोध, 178. धर्मक असल रूप, 179. सौन्दर्य, 180. स्तब्ध, 181. एकता, 182. विधवा बिआह, 183. देश सेवाक व्रत, 184. आत्मबल-1, 185. स्वाभिमान, 186. कलंक, 187. बुलकी, 188. भद्रपुरुष, 189. झूठ नै बाजब, 190. आर्दश माए, 191. नारी सम्मान, 192.

अनुशासन, 193. सादा जिनगी, 194. विचारक उदय, 195. पुष्ट इकाइसँ समर्थराष्ट्र बनैत, 196. डर नै करी, 197. आसिरवाद उलैट गेल, 198. रत्न गमेवाक दुख, 199. निशाँ, 200. सामना, 201. शिष्टाचार, 202. ठक, 203. पत्नीक अधिकार, 204. शिनीची सिनेह, 205. सिखबैक उपय, 206. कर्तव्यपरायन सुगा, 207. तस्वीर, 208. मितक प्रयोजन, 209. स्वार्थपूर्ण विचार, 210. संगीक महत, 211. उपहास, 212. महादान, 213. भाग्यवाद, 214. सद्वृति, 215. आश्रम नहि सोभाव बदली, 216. पुरुषार्थ, 217. नैष्ठिक सुधन्वा, 218. सद्गृहस्त, 219. सद्भाव, 220. आलस्य वनाम पिशाच, 221. स्वर्ग आ नर्क, 222. यथार्थक बोध, 223. विद्वताक मद, 224. अनन्त, 225. हँसैत लहास, 226. अनगढ़ चेतना, 227. सत्य विद्या, 228. समता, 229. जेते चोट तेते सक्कत, 230. परिष्कार, 231. कथनी नै करनी, 232. शालीनता, 233. मजूरी, 234. जीवन यात्रा, 235. ज्योति, 236. पवनक विवेक, 237. आत्मबल-2, 238. खुदीराम बोस, 239. शिष्यकेँ शिक्षेटा नै परीक्षो, 240. लौह पुरुष, 241. जंग लगल, 242. जीवकक परीछा, 243. तप, 244. उल्टा अर्थ, 245. जाति नहि पानि, 246. ऊँच-नीच, 247. पागलखाना, 248. केकरो फूल, 249. काज पसैर, 250. धार बीच, 251. फेरो हम, 252. रंगिते काजक, 253. चोरकट चालि, 254. डुमा-डुमी, 255. छाती चढ़ि, 256. ससुरामे जा कऽ धीया, 257. जिनगीक ताक, 258. गोर मुँह, 259. कतरा आम, 260. सुखल पोखरिक, 261. श्रोता कहि, 262. जड़ि जंजालक, 263. उगिते लाज, 264. ओन्हा चालि, 265. गिरैत घर, 266. अना गाहिंस, 267. सुखल पोखरिक, 268. लत्ती जेना, 269. पाटि, 270. गोहि बनि, 271. जेहेन जे, 272. चेत चेता, 273. अन्हर जाल, 274. डायरीक, 275. बरहबटू, 276. चोटी छुबए, 277. खेल-खेलाड़ी, 278. ककोड़बा, 279. सोर बनि, 280. सेज-सिंगार, 281. जएह लूरि, 282. जोति हर, 283. हर हलक, 284. कम्प्रोमाइज, 285. नै धाड़ैए, 286. झमेलिया बिआह, 287. बड़की बहिन, 288. रत्नाकर डकैत, 289. भादवक

आठ अन्हार, 290. सधबा-विधबा, 291. स्वयंवर, 292. सतमाए, 293. कल्याणी, 294. समझौता, 295. तामक तमघैल, 296. बिरांगना, 297. दोहरी मारि, 298. केना जीब?, 299. नवान, 300. तिलासंक्रान्तिक लाइ, 301. भाइक सिनेह, 302. प्रेमी, 303. बपौती सम्पैत, 304. डंका, 305. संगी, 306. ठकहरबा, 307. अतहतह, 308. अर्द्धांगिनी, 309. ऑपरेशन, 310. धर्मनाथ, 311. सरोजनी, 312. सुभद्रा, 313. सोनमाकाका, 314. दोती बिआह, 315. पड़ाइन, 316. केतौ नै, 317. बिहरन, 318. मायराम, 319. गोहिक शिकार, 320. मातृभूमि, 321. भबडाह, 322. परिवारक प्रतिष्ठा, 323. फॉगु, 324. लफ साग, 325. तिलकोरक तरुआ, 326. एकोटा ने, 327. धोतीक मान, 328. साझी, 329. सतभैंया पोखैर, 330. न्याय चाही, 331. पनियाहा दूध, 332. कर्ज, 333. परदेशी बेटी, 334. मान, 335. मनोरथ, 336. कियो ने, 337. सूदि भरना, 338. जन्मतिथि, 339. इमानदार घूसखोर, 340. पटियाबला, 341. सनेस, 342. उलबा चाउर, 343. बलजोर, 344. बेटी हम अपराधी छी, 345. बगबाइर, 346. मुइलो बिसेबैन, 347. सड़ल दारीम, 348. चुप्पा पाल, 349. परदेश जेतै, 350. ओज ओझरी, 351. पानि बीच, 352. बंसी धार, 353. जिनगी जरवन, 354. राति-दिन, 355. तेहरौनी, 356. गेल उमरिया, 357. कर-करनाम, 358. मनुख कहाँ, 359. चान कौसिकीय, 360. घट-घट, 361. ओल ओड़ि, 362. निरजन वन, 363. हरबाह, 364. हर हलक, 365. सालक विदाइ, 366. मोनि मन, 367. सेड़ाइते, 368. आँखि मिचौनी, 369. अलकक चान, 370. समाज सजल, 371. सभ मिलि, 372. सोच सकार, 373. अबिते अगहन, 374. उपजल खेत, 375. धूल चरण, 376. उनटन, 377. जान विचार, 378. चालैन-सूप, 379. मरम देखि, 380. वेद-भेद, 381. भक-इजोतमे, 382. जेठुआ गरे, 383. निर्जन वन, 384. छगुन्तामे, 385. पड़ल छी, 386. सुआगत की लए, 387. सुआगत अपनेक, 388. वृद्ध केना, 389. समय केर, 390. भगवती गीत, 391. हाल-बेहाल, 392. शीला

शील, 393. रंग सियाही, 394. दिन घटतै, 395. उठिते आगि, 396. छप्पर किए, 397. गामसँ किए, 398. बेढब रूप, 399. संग जिनगी, 400. सबहक जिनगी, 401. सुन मैया गे, 402. पकैड़ तान, 403. भोरे कनी जगा देब, 404. पकैड़ पग, 405. संच-मंच रहए कहाँ दइए, 406. ओस बनि, 407. बाढ़िमे सभ, 408. हेराएल-ढेराएल, 409. मीत यौ अहींकेँ कहै छी, 410. अजीब-अजीब, 411. अपने ताले, 412. पग-पग, 413. मीत यौ, 414. निरमोही बौआ, 415. अपना गतिये, 416. भजार यौ, 417. हे बहिनी, 418. हे बहिना, हे दीदी, 419. सुक्खक अतृप्त, 420. नढ़ड़ा हेल हेलै छी, 421. अहीं कहू, 422. चलू उचितपुर देश, 423. कानि कलैप, 424. बुधिये बाट, 425. जुग-जुग, 426. घात लगौने, 427. देहमे नमहर, 428. अपन बल, 429. जीवन धार, 430. लाजे मेटा गेल, 431. खढ़ पोस पानि, 432. परता माटि, 433. शिकारी, 434. जीवन, 435. जिनगीक बीच जिनगी, 436. दिन रातिक खेल, 437. सतबेध, 438. किछु ने बुझै छी, 439. गुरुत्तर, 440. जिनगीक मोड़, 441. मरहन बाट, 442. कविता, 443. घाट-बाट, 444. चलैत पंखाक, 445. सुमति-कुमति, 446. हँसि हंस, 447. खचरमणि, 448. किसानक देश, 449. भारत, 450. जिनगीक संगीत, 451. सुगति, 452. संगीत, 453. ब्रह बाट, 454. रस्तेमे लसका गेलिऐ, 455. एक दस मंत्र छै, 456. वंचित धार, 457. पाइक मोल, 458. हे दुनियाँक केर भाग-विधाता, 459. कलेससँ कलैशते भैया, 460. चुनौती, 461. मानव गुण, 462. छुटि गेल, 463. मरल घाट, 464. हलुक काज, 465. बीघा भरि चास-बास, 466. पट्टा छीमी, 467. बदरीहन, 468. बालि वध, 469. अनेरुआ वन, 470. फँसरी, 471. विचलित मन, 472. गुड़ घाव, 473. एकटा बताह, 474. हुसि गेल, 475. अखड़ा जिनगी, 476. बिटगरहा, 477. बाल गीत, 478. गाछी भुताहि, 479. अंडीक छाहैर, 480. परदेशी, 481. अन्हराएल छी, 482. ओ दिन, 483. सती-वेश्या, 484. दूजा भाव, 485. जीबैले लड़ए पड़ै छै, 486. पगलखना, 487.

बाढ़िक सनेस, 488. अगो-लोढ़ा, 489. हथियाक झटकी, 490. रहसा चौरी, 491. बेरोजगारी, 492. लीढ़ी पोखैर, 493. बकरी भेराड़ी, 494. महगी, 495. जरनबिछनी, 496. नव-फल, 497. पू-भर, 498. चौरीक, 599. धनकटनी, 500. किसान, 501. टुटैत जिनगी, 502. कविता, 503. बुड़िबकी, 504. गाछी भुताह, 505. वोनक आगि, 506. बीतल बर्खक विदाइ, 507. संगी, 508. बेथा, 509. धब्बा, 510. पितृपक्षक भोज, 511. ठनका, 512. झपासा, 513. शिवचरन, 514. चौरचनक छाँछी, 515. भरदुतिया, 516. फुसि, 517. चिक्कैन माटि, 518. झारू-बाढ़ैन, 519. मेवाक फल, 520. चपरासी भाय, 521. नोत, 522. लटुआ, 523. एकैसम, 524. सदीक देश, 525. मधुमाछी, 526. जुआनी, 527. तरंग, 528. ऐ पढ़बसँ मुरखे रहितौं, 529. मइटुग्गर, 530. शम्भुदास, 531. फाँसी, 532. कचोट, 533. काँच सूत, 534. बुधनी दादी, 535. खिलतोड़, 536. मुँह-कान, 537. अनदिना, 538. अपन काज, 539. दूरी, 540. पुरनी भौजी, 541. छुटि गेल, 542. काल्हि दिन, 543. अप्पन हारि, 544. कनफुसकी, 545. मुँहक बात मुहेँमे, 546. कनीटा बात, 547. गति-गुद्दा, 548. बिसवास, 549. कचहरिया भाय, 550. गोहाइर, 551. शिवजीक डाक-बाक्, 552. सोग, 553. पनचैती, 554. कनमन, 555. अजाति, 556. पटोर, 557. फुसियाह, 558. गति-मुक्ति, 559. चौकीदारी, 560. झगड़ाउ-झोटैला, 561. घबाह ट्यूशन, 562. दादी-माँ, 563. पटोटन, 564. मुसाइ पण्डित, 565. भरमे-सरम, 566. देखल दिन, 567. फज्झैत, 568. अकास दीप, 569. बुधि-बधिया, 570. पहाड़क बेथा, 571. उमकी, 572. बजन्ता-बुझन्ता, 573. चर्मरोग, 574. शंका, 575. ओसार, 576. छोटका काका, 577. सीमा-सरहद, 578. रमैत जोगी बोहैत पानि, 579. गंजन, 580. सजए, 581. घटक बाबा, 582. आने जकाँ, 583. दान-दछिना, 584. उड़हैड़, 585. मत्हानि, 586. मेकचो, 587. झुटका विदाइ, 588. मुँहक खतियान, 589. कोसलिया, 590. हूसि गेल, 591. पोखला कटहर, 592.

सरही सौबजा, 593. तेरहो करम, 594. डुमैत जिनगी, 595. चोर-सिपाही, 596. दूधबला, 597. टाइपिस्ट, 598. समदाही, 599. बुढ़िया दादी, 600. एक धाप जमीन, 601. ओझरी, 602. मुसहैन, 603. केलवारी, 604. स्वरोजगार, 605. घूर, 606. कनियाँ-पुतरा, 607. वारंट, 608. गामक मुँह फेर देखब, 619. पेटगनाह, 610. जनक हाथे खेती, 611. मूसक घटक, 612. ग्लानि, 613. गरियबैक समय, 614. दोस्ती नै धाड़ैए, 615. कलंक, 616. भभटपन, 617. खाँटी तेल, 618. दोस्ती, 619. ओटघन पाबैन, 620. बौआ कक्काक ढौआ, 621. अठन्नी, 622. गुण, 623. गढ़ैनगर हाथ, 624. सासुरक गारि, 625. खिचड़ी मोछ, 626. पाइक मोल, 627. चोरूक्का झगड़ा, 628. अपसोच, 629. पतझाड़, 630. झीसीक मजा, 631. मति-गति, 632. रिजल्ट, 633. अपन सन मुँह, 634. सुमति, 635. फेर पुछबैन, 636. माघक घूर, 637. खर्च, 638. अखरा-दोखरा, 639. पेटगनाह, 640. बड़की माता, 641. धरती-अकास, 642. बकठाँइ, 643. चैन-बेचैन, 644. हथियाएल खुरपी, 645. अलपुरिया बरी, 646. नीक बोल, 647. सुआद, 648. गंगा नहेलौं, 649. भोँटक गहमी, 650. भँसैत नाह, 651. पान पराग, 652. सिरमा, 653. नौमीक हकार, 654. फोंक मकड़, 655. केते लग केते दूर, 656. अभिनव अनुभव, 657. खोंटकर्मा, 658. किछु ने, 659. झकास, 660. अप्पन-बीरान, 661. सजमनियाँ आम, 662. अर्जुन रोग, 663. गरदैन कट्टा बेटा, 664. नैहराक धाड़, 665. अवाक, 666. पोखैरक सैरात, 667. दनियाँ डाबा, 668. धरम काँट, 669. पल भरि, 670. किरदानी, 671. सगहा, 672. अकाल, 673. उझट बात, 674. कर्जखौक, 675. उनटन, 676. रेहना चाची, 677. बुधनी दादी, 678. अउतरित प्रश्न, 679. हारि, 680. सोनाक सुइत, 681. मरूभूमि, 682. असगरे, 683. पुरनी नानी, 684. कटा-कटी, 685. केते लग केते दूर, 686. गलती अपने भेल, 687. चोरक चोरबती, 688. घर तोड़ि देलिऐ, 689. सजल स्मृति, 690. सनेस, 691. सए कच्छे, 692. एक मुठी घास, 693. करिछौंह मुँह,

694. पुरस्कार, 695. गावीस मोइस, 696. मनकमना, 697. घरवास, 698. समधीन, 699. चापाकलक पाइप, 700. कलम हानि कऽ, 701. लतियाएल जिनगी, 702. गामक शकल-सूरत, 703. जितिया पाबैन, 704. सुखाएल सूरत, 705. भैयारी हक, 706. ठकुआएल भुसवा, 707. खुदियाएल, 708. खटहा आम, 709. ढकरपेँच, 710. असहाज, 711. समरथाइक भूत, 712. विदाइ, 713. खलओदार, 714. मनुखदेवा, 715. उमेद, 716. गलगर भैंस, 717. जाड़ फाटि गेल, 718. सुरता, 719. असुध मन, 720. धरमूदासक अखड़ाहा, 721. ठोररंगू, 722. लगबे ने कएल, 723. उकड़ू समय, 724. चास-बास दुनू गेल, 725. चौरचनक दही, 726. अपन मन अपन धन, 727. टुटली मरैया, 728. हकार, 729. दहेजुआ गाए, 730. मेटाइत जिनगी, 731. धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!, 732. लेहाज, 733. विचार हेरा गेल, 734. ओ दिन, 735. उरीन, 736. नहरकन्हा, 737. बटखौक, 738. पसेनाक धरम, 739. जेठुआ गरदा, 740. हँसीएमे उड़ि गेलौं, 741. बुड़िबकहा बुड़िबक बनौलक, 742. हमर बाइनिक विचार, 743. नोकरिहारा, 744. घसवाहि, 745. तेतर भाइक कविता, 746. छूआ, 747. दोसराइत, 748. लछनमान, 749. हमर कोन दोख, 750. मौसी, 751. नटकिया गति, 752. खाए चाहैए, 753. मधुमाछी, 754. दनगर घास, 755. सझिया खेती, 756. मुफतिया माल, 757. मथाहाथ, 758. पहपैट, 759. इजोरिया राति, 760. तीन जुगिया भाय, 761. अँगनेमे हेरा गेलौं, 762. डकरा हाल, 763. जेतए जे हौउ, 764. गठूलाक गारि, 765. कनी हमरो सुनू, 766. गामक बान्ह, 767. गुड़ा खुद्दीक रोटी, 768. सीरक गाछ, 769. हरदीक हरदा, 770. जाम, 771. गण्डा, 772. हाथी आ मूस, 773. मुसरी आ घोड़ा, 774. फलहार, 775. भोरक झगड़ा, 776. क्रियाशील, 777. आइ एम शॉरी, 778. ओऽ होऽ होऽ हूसि गेल, 779. मीनी भ्रष्टाचार, 780. गजपट खेती, 781. समुद्री विद्या, 782. राकशे रहि गेलौं, 783. निनिया देवीक आराधना, 784. बताहे बताह बनौलक, 785. धोखा, 786.

खसैत गाछ, 787. ठूठ गाछ, 788. वैष्णवी भगवती, 789. प्रीगर शत्रु, 790. एगच्छा आमक गाछ, 791. माघ नहाइले जाएब, 792. एक घोंट पानि, 793. एते दिन अपना-ले आब अनका-ले, 794. माइक वचन, 795. पान, 796. आजुक जिनगीक आइ परीक्षा, 797. शुभचिन्तक, 798. करिछौन लाली, 789. मोहरा, 800. अपन पुरखाक डीह, 801. जेना हाथी रही, 802. कठफल, 803. गामे उपैट गेल, 804. झूठे, 805. लाही, 806. परतीहा खढ़, 807. उजगी, 808. हाथक जिनगी, 809. गाछपर सँ खसला, 810. केतौ ने रहलौं, 811. अपने केलहा, 812. बत्तु, 813. कछमछी, 814. गैत-वीध, 815. दियरबा-भैंसुर, 816. एक दिन, 817. दुधियाएल बरखा, 818. गलफूलू, 819. बिटगरहा, 820. आब नइ आगि लगैए, 821. कटौज, 822. बाल बोध, 823. डभियाएल गाम, 824. एकबोलिया दादी, 825. मरियाएल मन, 826. त्राहि-कृष्ण, 827. कन्हा भँट्टा, 828. जिगेसा, 829. गुलेती दास, 830. भोलानाथ बाबा, 831. दुरकाल, 832. कलंक, 833. अड़िकट्टा चोर, 834. बगदल गाम, 835. बत्तीसोअना, 836. कचहरिया रोग, 837. दिन घटि गेल, 838. मुड़ियाएल घर, 839. गामक सुरता, 840. खतियाएल घर, 841. बात-कथा सुनौलक, 842. अनका बेर ओंघी, 843. देव उठान, 844. नमहर घरक चोरि, 845. भोरक सपना, 846. बालमण्डली, 847. धोखा केतए भेल, 848. माघक चाह, 849. भँसियाएल बाल-बोध, 850. माघक घूर, 851. पाही पट्टी, 852. बीरांगना, 853. स्मृति शेष, 854. मनकेँ फुसलबै छी, 855. चहकल विचार, 856. विदाइ-दैछना, 857. बीरांगना, 858. पकिया चेला, 859. कान फुटल कप, 860. वर्थ डे, 861. जानक मोल, 862. गामक कटान, 863. कर्ज, 864. बेटीक लिलसा, 865. अपन गारि अपन दुआरि, 866. बेटीक पैरुख, 867. बेटीक कुभेला, 868. अपन रोपल गाछी भुताहि, 869. बलधकेल कटौज, 870. जारैनक दुख मेटा गेल, 871. पढ़ल सुगा बौक, 872. हरवाहि, 873. क्रान्तियोग, 874. उचितवक्ता, 875. खेतक बँटवारा, 876. विघटन, 877. टुटल मनक

जुटान, 878. बाबा बेलेश्वरनाथ, 879. भुतलग्गू आकि भविसलग्गू, 880. मर्माहत, 881. गुणहीन, 882. समझौता, 883. जेकर चुन तेकर पुन, 884. त्रिकालदर्शी, 885. नमहर फेरा, 886. आशापर पानि पड़ल, 887. कोढ़िया सरधुआ, 888. बेटपन, 889. छातीक हार, 890. उमेरक लेहाज, 891. पैंतीस साल पछुआ गेलौं, 892. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं, 893. पुरान साड़ी, 894. गाम बिसैर गेल, 895. ऐँठ साड़ी, 896. लहसन, 897. किछु ने फुरैए, 898. महिरम, 899. बेर परहक भदवा, 900. सड़क-कातक खेत, 901. दोहरी हाक, 902. पाइक इज्जत, 903. सेहन्ता, 904. राक्षसक झड़, 905. बेरपर, 906. केकरा-ले केलौं, 907. स्वाभिमानी जिनगी, 908. बाबाक बाग-बगिया, 909. अब-तब, 910. अगिलह, 911. कुकुरपन, 912. हेराएल जिनगी, 913. आशापर पानि फेर गेल, 914. देखल दिन, 915. इज्जत उतैर गेल, 916. संकट, 917. एकतीस मार्च, 918. गेल माघ उनतीस दिन बाँकी, 919. बापक चलैत, 920. बेटाक चलैत, 921. प्रवल इच्छा, 922. पंगु, 923. ठका गेलौं, 924. हारि-जीत, 925. पनचैती पनपना गेल, 926. कुघाटक मृत्यु, 927. एक तम्मा सिदहा, 928. कियो ने पुछैए, 929. केकरो कियो ने, 930. गपक पियाहुल लोक, 931. उदय-प्रलय, 932. हमरा नीक नहि लगैए, 933. भारीपन भार बनि गेल, 934. मानसरोवरक यात्रा, 935. करतब, 936. आमक गाछी, 937. अनचोकक अन्हार, 938. अपन बुधियारी अपने खेलक, 939. चटवाह, 940. भगैतिया, 941. अधमरू साँपक फुफकार, 942. यादास्त, 943. हमर मेला चोरि भऽ गेल, 944. गरदैन हलैल गेल, 945. दिवालीक दीप, 946. हारि केना मानब, 947. अप्पन गाम, 948. परिछन, 949. झूठ सपना, 950. जिनगीक अन्तिम फल, 951. चरणबाबूक टैक्सी, 952. पुस्तकालय, 953. विचारभेद, 954. एकरवा बानर, 955. फकीरबा स्थान, 956. रंगमे भंग, 957. खिलतोड़ भूमि, 958. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह, 959. मटरक अजोह दाना, 960. फुइसिक रगड़, 961. उखमज, 962. एकभग्गू बेटा, 963.

अगुताइ भेल, 964. थैंक्यू पापा, 965. किसुनपुराक हाट, 966. धनखेतीक बैगन, 967. चितवनक शिकार, 968. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं, 969. धुआ साड़ी, 970. राजरोग, 971. संकल्प, 972. एकटा नमहर दुख मेटा गेल, 973. काजक मोल, 974. एतए बसव कठिन अछि, 975. स्वनिर्मित जिनगी, 976. कपटलालक मृत्यु, 977. गामक ढहल समाज, 978. लजगर लोक, 979. खरिहाँन उपैट गेल, 980. पगलपन, 981. छलाननक सराध, 982. छाती बज्जर केलौं, 983. नाँहकमे दोख, 984. सग्गा पिऔज, 985. गाछसँ नमहर फड़, 986. जिनगीमे जान आएल, 987. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै, 988. चौरस खेतक चौरस उपज, 989. सिकिया नेता, मजदूर दिवस, 990. मुँह खुजिते नाक कटि गेल, 991. जेकरे भर तेकरे डर, 992. ललियाएल चेहरा करियाएल मन, 993. पुरुखक भर, 994. भकमोड़मे पड़ि गेलौं, 995. अपन इमान मरि गेल, 996. गामक रूप बदैल देब, 997. कुभेला, 998. देखौंस, 999. समयसँ पहिने चेत किसान, 1000. काजक मेहपन, 1001. पनरह किलोक कदीमा, 1002. फेर नढ़रो बेल तर जेती, 1003. काजक धुनि, 1004. सोरहामे सुर्रा लगि गेल, 1005. अगराही, 1006. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा, 1007. भौक, 1008. मनतरक पावर, 1009. हाल-चाल, 1010. अधमरु साँपक डँस, 1011. के मानत?, 1012. दियादीक फेड़, 1013. वाह रे आदत, 1014. कटबी सुइद, 1015. तिलकौआ छत्ता, 1016. अपने जिनगी भार बनि गेल, 1017. कलेश, 1018. गामक आशा टुटि गेल, 1019. आब इज्जत नइ बँचत, 1020. अँगनाक बीरार, 1021. भेँट-घाँट, 1022. कोसा, 1023. दहेजक गाए, 1024. चलती, 1025. तीन बुड़िवान, 1026. एकाधिकारी जाति, 1027. अपन करखन्ना, 1028. लड़कपन, 1029. कुदृष्टि, 1030. हकार, 1031. दलखिच्चड़मे घी, 1032. दोहरी दहार, 1033. पसेनाक मोल, 1034. बुढ़ापा, 1035. पुरना घराड़ी, 1036. जगरनथिया भोज, 1037. कृषियोग, 1038. काजक रोप, 1039. खटसमाद, 1040. जीबठपन, 1041. गोटी लाल,

1042. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह, 1043. दहेज, 1044. जेहेन मति तेहेन गति, 1045. केते लग केते दूर, 1046. अपन कर्तव्य आकि उपकार, 1047. जिनगी भौर भेलह हेन, 1048. वसन्त पंचमी, 1049. चुटका सुतरल, 1050. हारल चेहरा जीतल रूप, 1051. अग्नि परीछा, 1052. आसीरवचन, 1053. दहिबरी, 1054. सघन बन, 1055. हुसैत लोक, 1056. हुसि गेलौं, 1057. झूठक झालि, 1058. दुष्टपन, 1059. रहै जोकर परिवार, 1060. परिपक्क निरलज, 1061. अप्पन काज अपने चिन्हू, 1062. लजाउ काज, 1063. कामधेनु, 1064. जिनगीक कुंज, 1065. सत-चित, 1066. पड़िते पएर पवन पोखैर, 1067. अहाँ किए रूसल छी, 1068. घट-घट घोंट, 1069. जहिना बारह दिन बजै छै, 1070. दुनियाँ घोड़ाएल छै निशाँमे, 1071. बहैल बहील बहिला कहै छै, 1072. हलचल जिनगी हलैस-कलैश, 1073. टकटक ताक, 1074. भीख मांगि (नचारी) , 1075. बकरी खुट्टी, 1076. अमरा अँचार, 1077. घरे-घरे, 1078. बेटी किए, 1079. मनक भाव, 1080. सिरजन सिर, 1081. कलश पल्लव भरैत रहै छै, 1082. मारी-बेमारी, 1083. हिम-गिरि, 1084. भुवन भुचल, 1085. खुजिते आँखि, 1086. मुड़जन मनुहर, 1087. गोधुलि-बेल, 1088. दौड़ि-दौड़, 1089. चोट-चाट, 1090. चाइन चेन, 1091. दीनक दोख, 1092. सगर समनदर, 1093. चप-चप चपा गेलिऐ, 1094. संगे-संग, 1095. आभा मण्डल, 1096. संग जिनगी खेल होइत एलैए, 1097. नजैर कहाँ बदलल, 1098. देख टराटक पड़ल रहै छी, 1099. माइक माइपन, 1100. इच्छा- 01, 1101. इच्छा- 02, 1102. मन मथनी, 1103. केकरा कहब नवदिन सगुन?, 1104. अप्पन दिन कहिया औतै, 1105. बलकस चास, 1106. अपनेपर हँसै छी, 1107. केकरा कहब नव दिन सगुन, 1108. बन्ध-बन्धन, 1109. नँगरकट घोड़ा, 1110. गीत, 1111. फुलबतिया, 1112. करैलाक फूल, 1113. गिरहकट्टा, 1114. पैछला गणित, 1115. कॉमन सेन्स, 1116. चास-बास, 1117. ढहल गाम, 1118. सघन वन, 1119. मानब धारण धड़ैत एलैए, 1120. नजैर-नजैरमे तफरका भैया, 1121.

अपने मन ठकैए, 1122. केकरो गारि सुगारि, 1123. साँझ-भोर, 1124. समाजक बान्ह छेक, 1125. दियादी, 1126. ओइ पोखरिक मानियेँ की?, 1127. नवका बास, 1128. जिनगीमे जे, 1129. हे बहिना केनाकऽ जेबै ओइ, 1130. घरिया, 1131. हे आशुतोष, 1132. मनक फूल, 1133. फूल मनक, 1134. बेकाल-काल, 1135. जेहेन जेकर, 1136. समय-साल, 1137. संग मान-समान, 1138. जेहने शक्तिक रंग रहै छै, 1139. खेल खेलौना, 1140. प्रेमी पिया, 1141. बिसैर गेल, 1142. आबो कनी विचारू, 1143. सुआगत अपनेक, 1144. वृद्ध केना, 1145. समय केर, 1146. भगवती गीत, 1147. आनक बोझ, 1148. अड़कन-मरकन, 1149. हाल-बेहाल, 1150. आजादीक उमंग, 1151. बुधिये भोतिया गेल, 1152. घर-घरा, 1153. जा बौआ, 1154. लत-लत लत्ती, 1155. पीड़ित रीति, 1156. अकार-सकार, 1157. टेनशन बीच पड़ल छी, 1158. आन्ही-अन्हर, 1159. सुफल काज, 1160. सुचिता, 1161. सीमावद्ध जीवन, 1162. कर्ताक रंग कर्मक संग, 1163. जिनगीक हिसाब, 1164. अपना जनैत, 1165. सुदृढ़ जिनगी, 1166. मुराम जगह, 1167. गामक सूरत बदैल गेल, 1168. दोसर रस्ता नहि, 1169. विचारधाराक भथान, 1170. परिवार बिलैट गेल, 1171. अनचोकक इजोत, 1172. केलहा सभ पानिमे गेल, 1173. पएर तरक धरती डोलि गेल, 1174. जबुरिया कागज, 1175. बेटाक बिआह, 1176. जीवनमे जान आएल, 1177. पोसलाक फल, 1178. अन्तिम परीक्षा, 1179. गाम आब ओ गाम रहल!, 1180. जिनकर जीत तिनकर माला, 1181. नवका लोक, 1182. काजक उत्तर काज, 1183. घरक खर्च, 1184. समाजक भागे, 1185. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक, 1186. परिवारक विघटन, 1187. हारल विचार, 1188. मोड़पर, 1189. संकल्प, 1190. अन्तिम क्षण, 1191. परिवारे गजपटा गेल, 1192. समयक थपेड़मे, 1193. की सत्त की फुइस?, 1194. कुभाँज समयक भाँजमे, 1195. देखल गाम, 1196. अपना ले, 1197. तीन धक्का, 1198. अजीब खेल, 1199. नीक ठकान ठकेलौं, 1200. केकरो भरोस, 1201. बाड़ी भेल धनहर,

1202. कुण्ठा, 1203. सुदृढ़ जीवन, 1204. सागवानक बागवानी, 1205. बिनु खुट्टाक गाए, 1206. जीवनक कर्म जीवनक मर्म, 1207. घरैया मूस, 1208. टुटि कऽ खसि पड़लैन, 1209. अवतारवाद, 1210. संस्कार आ संस्कार गीत, 1211. वर्चस्ववादी संस्कृति बनाम हाशियाक समाजक संघर्ष, 1212. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन गुवाहाटी, 1213. सगर राति दीप जरयक कथागोष्ठीक मादे, 1214. वेब प्रोग्राम, 1215. महाकवि लालदास, 1216. भाय राजनन्दन लाल दासजीक जीवन यात्रा, 1217. मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा, 1218. उपन्यासमे ग्रामीण चित्रण, 1219. मनक बात हेरा गेल, 1220. नचैत मोन पड़ाइत गेल, 1221. मौसम बदैल गेल, 1222. दोहरा-दोहरा पुछबे करतै, 1223. भाव-अभाव कुभाव बनैत गेल, 1224. संग छोड़ि पड़ाइत गेल, 1225. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा, 1226. संचरण, 1227. जिनगीसँ प्रेम, 1228. परिवारे बगैद गेल, 1229. जिनगी पिछैड़ गेल, 1230. श्रमहीन, 1231. समुद्रलंघन, 1232. परिवारक भार, 1233. हीन-हीनाइत विवेक, 1234. चेहराक निखार, 1235. भरि मन काज, 1236. विचारे मरि गेल, 1237. मृत्युक भय मेटा गेल, 1238. घरक बात, 1239. अप्पन दलान, 1240. कंजूसपन, 1241. आएल आशा चलि गेल, 1242. अकारण, 1243. अछोप, 1244. अप्पन बेइमानी, 1245. उनटन, 1246. अर्द्धांगिनी, 1247. बहवाँइर, 1248. पाक मास्टर, 1249. साइंस टीचर, 1250. इज्जत लऽ लेलक, 1251. निसगर पान, 1252. विरोध, 1253. जीवन दान, 1254. बाग-बगिया, 1255. विश्वास पात्र, 1256. विचारक टिटकारी, 1257. लत, 1258. जीवन खटाइमे पड़ि गेल, 1259. कर्ज, 1260. बहादुरी, 1261. हमरो खगता छै, 1262. सपना, 1263. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी, 1264. उवाणि, 1265. विचारक प्रबलता, 1266. अपन रचित रचना, 1267. थाहल संगी, 1268. आत्मबल, 1269. विश्वासहीन, 1270. बुलन्दी, 1271. अप्पन साती, 1272. खिच्चड़ि, 1273. भंगतराह कवि, 1274. भंगतराह कवि, 1275. कनियेँ-मनियेँ पूँजी, 1276. पुरुखढौह, 1277.

सिमानक झगड़ा, 1278. जिनगी भार बनि गेल, 1279. परिवारक योग, 1280. मनुक्ख खौक, 1281. साहित्यकारक विवेक, 1282. भाषाक बेथा, 1283. बुझबे ने केलिऐ, 1284. जीवनक सम्बन्ध, 1285. गैंचाह लोक, 1286. जिनगीकेँ पटैक भगलौं, 1287. अन्तिम आशा, 1288. गजपट मारि, 1289. कन्हजोड़, 1290. अनहोनी, 1291. होनी, 1292. भवितव्य, 1293. ओसचट बीमारी, 1294. पुत्र परीक्षा, 1295. अप्पन मन बुझाएब, 1296. जड़ौर, 1297. अलोपित, 1298. कुमहरक बतिया, 1299. सिमानक आड़ि, 1300. नब बनक नब फल, 1301. सुमारक, 1302. अन्तिम भेँट, 1303. अनहरिया, 1304. निरन्तर, 1305. शॉर्टकट रास्ता, 1306. अपेछा टुटि गेल, 1307. सुनयना बेटी, 1308. आब नइ जीब, 1309. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल, 1310. धुरफन्ना लोक, 1311. घरदेखी, 1312. बासभूमि, 1313. इज्जतपर पड़ि गेल, 1314. अहीं जीतलौं, 1315. गामसँ गाए उपैट गेल, 1316. भारक बड़बड़िया, 1317. रूपैँ बदैल गेल, 1318. वंशक धर्म, 1319. उपराग, 1320. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ, 1321. खीरा लत्तीमे रोजगार, 1322. टकुआटान, 1323. पोस्टमार्टम, 1324. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल, 1325. सामंजस्य, 1326. महींसवारक गाम, 1327. दसअना छहअनाए, 1328. वाह रे हम, 1329. एक जूम तमाकुल, 1330. चपरासीक गाम, 1331. बनरफाँस, 1332. हँस्सा ठक, 1333. विश्वासू मन, 1334. चोरनी पिल्ली, 1335. गामक जमीने पथरा गेल, 1336. एकलव्यपन, 1337. केलहा साफल, 1338. त्रिशूलपर लटकल गाम, 1339. त्रिशंकू गाम, 1340. चारिम कनियाँ, 1341. वंश नाश, 1342. लोक लाज, 1343. धानक कमठौन, 1344. एक चुटकी खुशी, 1345. अनका सिरे, 1346. समयक फेड़, 1347. कोढ़ि, 1348. मुहाँ-ठुठ्ठी, 1349. औनाकऽ मरए लगलौं, 1350. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि, 1351. चौरचनक केरा, 1352. सुख-दुख, 1353. दुख-सुख, 1354. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की, 1355. अंधविश्वास, 1356. बखेरिया लोक, 1357. नव जीवन, 1358. प्रीति, 1359. पुरुषार्थ, 1360. मन टँगि

गेल, 1361. नियति आ पुरुषार्थ, 1362. जे ननू से गर्भहि ननू, 1363. पुरुखक डीह, 1364. पाशापर, 1365. संचरण, 1366. कंजूस, 1367. बाबाक पौती, 1368. भँसिया गेलौं, 1369. उबारि देलौं, 1370. श्रद्धा, 1371. केकरोपर आश्रित, 1372. समैया लुच्चा, 1373. उकड़ू समयमे सुकड़ू काज

❑❑❑

❑❑

❑

Notes

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....